सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 03 FEBRUARY TO 09 FEBRUARY 2022 • VOLUME-29 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

अगर जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो यह तीन गुण व्यक्ति में अवश्य होने चाहिए।

पहला धैर्यवान होना,

दूसरा पवित्र होना

और तीसरा सबसे महत्वपूर्ण दृढ़ निश्चयी होना।

मास्क जरूरी,
नहीं कोई मजबूरी

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

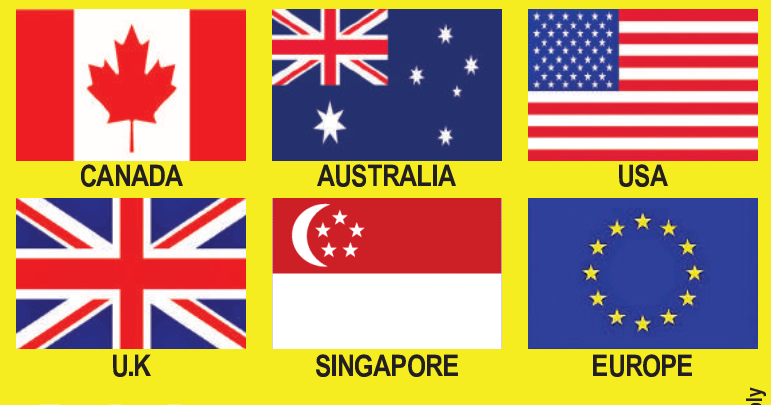

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

T&C apply

सुनील जाखड़ का छलका दर्द

कैप्टन के हटने के बाद 42 विधायक मुझे बनाना चाहते थे मुख्यमंत्री

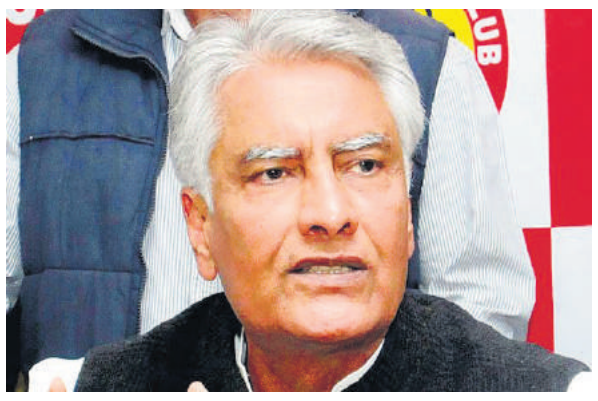

चंडीगढ़. कांग्रेस की पंजाब इकाई के वरिष्ठ नेता सुनील जाखड़ ने दावा किया है कि पिछले साल अमरिंदर सिंह को हटाये जाने के बाद 42 विधायक उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। जाखड़ ने अबोहर में मंगलवार को एक सभा को संबोधित किया था और इस सभा की ऑनलाइन सामने आई एक वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है। जाखड़ के भतीजे संदीप जाखड़ पंजाब विधानसभा चुनाव में अबोहर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। सुनील जाखड़ भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल थे। पार्टी ने चरणजीत सिंह चन्नी को तरजीह दी, जो अनुसूचित जाति समुदाय से पंजाब के पहले मुख्यमंत्री बने।

सुनील जाखड़ ने कहा, ''सुनील (जाखड़) को 42 वोट, सुखजिंदर रंधावा को 16, महारानी परनीत कौर (अमरिंदर सिंह की पत्नी और पटियाला की सांसद) को 12 वोट, नवजोत सिंह सिद्धू को छह वोट और (चरणजीत सिंह) चन्नी को दो वोट मिले थे।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाने की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। जाखड़ ने कहा कि पार्टी ने उन विधायकों से जानना चाहा था कि वे अमरिंदर सिंह के जाने के बाद किसे मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''79 विधायकों को यह जानने के लिए बुलाया गया था कि वे किसे मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। सुनील विधायक भी नहीं थे।'' कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के साथ सत्ता संघर्ष के बीच कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए कहा था। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी के उस बयान के बाद जाखड़ के मुख्यमंत्री बनने की संभावना कम हो गई थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी को सिख चेहरे के साथ जाना चाहिए।

न्यायपालिका, ईसी व पेगासस जनता की आवाज दबाने के साधन

राहुल गांधी के ब्यान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा- माफी मांगे

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए चीन से लेकर पाकिस्तान तक के मुद्दे पर सरकार को घेरा। इसके साथ ही पेगासस का मुद्दा भी उठाया। लेकिन मोदी सरकार पर जनता की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको लेकर विवाद हो गया है। केंद्रीय मंत्री किरेण रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए माफी मांगने की मांग की है। राहुल ने मोदी सरकार पर आम आदमी की आवाज को

दबाने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने न्यायपालिका और चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा। राहुल ने कहा कि न्यायपालिका, चुनाव आयोग और पेगासस लोगों की आवाज को नष्ट करने के लिए मोदी सरकार के साधन हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में राहुल गांधी के दिए बयान का क्लिप ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा कि न केवल भारत के कानून मंत्री के रूप में बल्कि एक सामान्य नागरिक के रूप में भी मैं राहुल गांधी द्वारा भारत की न्यायपालिका और चुनाव आयोग के बारे में कही गई बातों की निंदा करता हूं। ये हमारे लोकतंत्र की महत्वपूर्ण संस्थाएं हैं। राहुल गांधी को तुरंत लोगों, न्यायपालिका और चुनाव आयोग से माफी मांगनी चाहिए।

रोडरेज मामले में सुनवाई आज

नई दिल्ली. पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की सज़ा बढाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट आज दोपहर 3 बजे सुनवाई करेगा। मारपीट के 34 साल पुराने मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धू को सिर्फ 1000 जुर्माने की सजा दी थी। सितंबर 2018 में कोर्ट ने सज़ा पर दोबारा विचार की मांग स्वीकार की थी। पंजाब के पटियाला में 1988 में हुई इस घटना में गुरनाम सिंह नाम के शख्स की मौत हो गई थी।

सिद्धू और उनके दोस्त कंवर सिंह संधू को पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट ने गैर इरादतन हत्या का दोषी मानते हुए 3-3 साल की सजा दी थी लेकिन जुलाई 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने संधू को बरी कर दिया जबकि, सिद्धू को सिर्फ मारपीट का दोषी माना और सिर्फ 1 हज़ार रुपए जुर्माने की सज़ा दी। इस फैसले के खिलाफ गुरनाम सिंह के परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। परिवार ने फैसले पर पुनर्विचार की मांग की।

पंजाब को जनहितैषी व गंभीर नेताओं की जरूरत, भ्रष्ट की नहीं : भगवंत मान

पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल की टिप्पणी पर दिया जवाब

चंडीगढ़. आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार, सांसद मेंबर और प्रदेश अध्यक्ष भगवंत मान ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह की इस टिप्पणी कि 'लोगों को गंभीरता की जरूरत है, ड्रामेबाजी या नौटंकी की नहीं' पर पलटवार करते हुए जवाबी हमला किया है। मान ने प्रकाश सिंह बादल को संबोधित करते हुए कहा, 'पंजाब को जनहितैषी और गंभीर नेताओं की जरूरत है, भ्रष्ट, मीसने और मसंद नेताओं की नहीं, जिनके शासनकाल

में पंजाब ने खून के आंसू बहायें हो और पंजाब की नौजवानी नशे की दलदल में डूबी हो। बुधवार को पार्टी मुख्यालय से जारी बयान में भगवंत मान ने पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के सुप्रीमो बादल प्रकाश सिंह बादल के सख्त आलोचना करते हुए कहा, शिरोमणि अकाली दल और पंजाब की सियासत पर प्रकाश सिंह बादल और उनके सके सबंधियों का कब्जा रहा है। प्रकाश सिंह बादल ही करीब 19-20 साल पंजाब के मुख्यमंत्री रहे और उन्हें एक बुद्धिमान नेता समझ कर पंजाब वासिओं ने पांच बार मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन प्रकाश सिंह बादल के शासनकाल में जो हाल पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत का हुआ है वह किसी से छिपा नहीं है।

चुनाव आयोग राजनीतिक पार्टियों को अपना मैनिफेस्टो भी एफिडेविट के रूप में जमा कराने के आदेश जारी करे

...ताकि चुनावी वायदे पूरे न करने पर पार्टियों पर दर्ज हो सके धोखाधड़ी का मामला

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

देश के पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव को लेकर हर एक पार्टी ने अपना चुनाव प्रचार तेज कर दिया है और कई पार्टियों द्वारा सत्ता हासिल करने के लिए लोगों से कई तरह के लुभावने वादे भी किये जा रहे हैं। जिसका सबसे ज्यादा असर पंजाब राज्य में देखा जा रहा है पिछले कई सालों से पंजाब की सत्ता में कांग्रेस या अकाली दल का ही मुख्यमंत्री रहा है। परन्तु इस बार आम आदमी पार्टी द्वारा अपना मुख्यमंत्री चेहरा भगवंत मान को घोषित करने के बाद बाकि सभी पार्टियों के लिए चुनौती खड़ी हो गई है।

परिणाम स्वरूप कई राजनीतिक पार्टियों द्वारा बच्चों से लेकर महिलाओं को उनकी सरकार आने पर कई चीज़े मुफ्त में देने की बातें बड़ी जोर-शोर से की जा रही है।

अक्सर ऐसी बातें सुनने में आती है जब किसी को पैसे की सख्त ज़रूरत हो वह उसे किसी से लेने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाते हैं जिसमें वह अपनी ज़रूरत को पूरी करने के लिए पैसे देने वाले को मार्किट से 5 गुना ज्यादा ब्याज देने की बात करता है। इसी लालच में आकर लोग अपनी मेहनत की कमाई उस व्यक्ति को दे बैठते हैं जिसे पता है कि उसने उन पैसों को एक बार मिलने के बाद कभी वापिस ही नहीं करना है। इसी तरह राजनीतिक पार्टियों को राज्य की हालत पता होने के बाद भी सत्ता हासिल करने के लिए ऐसे चुनावी लुभावने वाले वादे लोगों से किये जा रहे हैं जो लोगों से वोट लेने के बाद कभी भी पूरे नहीं किये गए और आगे कैसे पूरे होंगे। इस बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं।

जिक्रयोग्य है कि इस बार चुनाव आयोग द्वारा उम्मीद्वारों की निजी सम्पति से लेकर उनके ऊपर चल रहे क्रिमिनल केस की जानकारी एफिडेविट के रूप में लेकर हर एक हलके के रिटर्निंग अफसर को जमा करवाने के निर्देश दिए गए थे जिसके बाद दस्तावेज चेकिंग के दौरान एफिडेविट में दी गयी जानकारी में किसी तरह की गलत चीज़ पायी जाती है तो उस उम्मीद्वार के ऊपर चुनाव आयोग कानूनी कार्रवाई करेगा जिसके बाद से वोट डालने वाला वोटर भी अपने हलके से खड़े उम्मीद्वारों को लेकर जागरूक हुआ है।

इसी तरह अगर चुनाव आयोग राजनीतिक पार्टियों को निर्देश जारी करके अपने मैनिफेस्टो को एफिडेविट के रूप में अपने पास जमा करवाए ताकि राजनीतिक पार्टियां लोगों से वोट लेने के पश्चात लोगों से किए वादों को पूरा करें जिससे लोग मैनिफेस्टो में किये गए वादे पूरे न होने पर आपने आप को ठगा न महसूस करें।

नेता जी कुछ ऐसा करो कि आपके प्रति लोगों का विश्वास बनें....

फोटो साभार : सोशल मीडिया

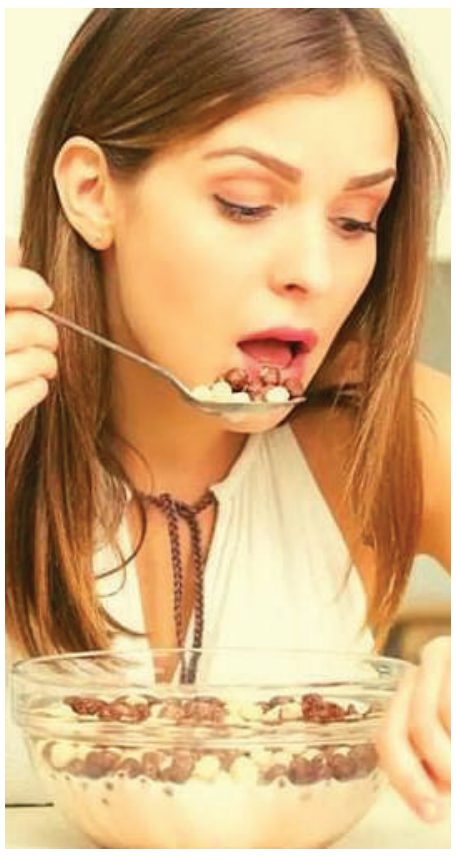

आयुर्वेद में बताया गया है खाना खाने का सही तरीका, आप भी जान लें नियम !

आज के समय में अधिकतर बीमारियां खानपान की वजह से होती हैं। अगर हम हेल्दी फूड लें और इसे लेते समय आयुर्वेद के नियमों का पालन करें, तो कई समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार हमें हमेशा संतुलित आहार लेना चाहिए और शरीर की प्रकृति के हिसाब से भोजन करना चाहिए। आयुर्वेद में खाने में छह तरीके के स्वाद बताए गए हैं मीठा, नमकीन, खट्टा, कड़वा, तीखा और कसैला। व्यक्ति को अपने शरीर की प्रकृति के बारे में किसी विशेषज्ञ से परामर्श करने के बाद अपने लिए डाइट चार्ट तैयार करवाना चाहिए।

सब्जियों को पकाते समय ये याद रखना चाहिए कि वे न तो बहुत पकी हों और न बहुत कच्ची। मीठे में चीनी के स्थान पर शहद या गुड़, मैदे की जगह चोकरयुक्त आटा इस्तेमाल करना चाहिए।

अदरक का एक छोटा-सा टुकड़ा तवे पर गर्म करें और काला नमक लगाएं। इसके बाद इसे खाने से पांच मिनट पहले खाएं। इससे पाचन तंत्र बेहतर होता है और भूख भी अच्छे से लगती है। साथ ही खाना आलथी पालथी मारकर खाना चाहिए।

आयुर्वेद में बताया गया है कि खाना हमेशा भूख का आधा खाना चाहिए, ताकि वो अच्छी तरह से पच जाए। इसके अलावा खाना हमेशा ताजा खाएं और अच्छी तरह से चबाकर खाएं। खाते समय बातचीत नहीं करनी चाहिए।

खाने के बीच में पानी नहीं पीना चाहिए, लेकिन अगर आप खाना खाने से आधा घंटा पहले और खाना खाने के आधा घंटे बाद पानी पीते हैं, तो ये आपके लिए काफी फायदेमंद होता है। खाने के बीच में जरूरत हो तो एक-दो घूंट पानी पीकर काम चलाएं। इसके अलावा पानी सामान्य टेंप्रेचर वाला या गुनगुना पीना चाहिए। फ्रिज का ठंडा पानी न पीएं। साथ ही घूंट-घूंट पानी पीना अमृत के समान बताया गया है।

RECIPE +

सर्दी के असर से बचाएगा चने का साग और बाजरे की रोटी, जानें रेसिपी !

सर्दियों में चने का साग सेहत के लिहाज से बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसे बाजरे या मक्के की रोटी के साथ खाया जाता है। ये खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है। यहां जानिए चने के साग के फायदे और इसे बनाने का तरीका।

हमारी प्रकृति में जो भी चीजें खाने पीने की पैदा होती हैं, वो वहां के वातावरण के हिसाब से होती हैं और हम सबके लिए सेहतमंद होती हैं। सर्दियों का मौसम साग का मौसम कहलाता है। इस मौसम में मेथी, बथुआ, चौलाई, पालक, सरसों, कुल्फा और चने का साग आदि मिलते हैं। ऐसे में आज हम बात करेंगे चने के साग की। चने का साग सिर्फ स्वाद में ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी लाभकारी होता है और सर्दियों में अगर इसका बाजरे की रोटी के साथ सेवन किया जाए तो ये आपके शरीर को गर्माहट देता है, इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और शरीर को फ्लू, सर्दी-जुकाम, खांसी जैसी तमाम समस्याओं से बचाता है। यहां जानिए चने के साग को बनाने का तरीका।

चने के साग की सामग्री

250 ग्राम चने का साग, 10 से 15 लहसुन की कलियां, एक इंच अदरक का टुकड़ा, 4 से 5 हरी मिर्च, दो टमाटर, देसी घी दो चम्मच, एक चमचा सरसों का तेल, स्वादानुसार नमक, दो चम्मच बेसन, आधा चम्मच सूखा धनिया, आधा चम्मच मिर्च पाउडर और हींग आवश्यकतानुसार।

बनाने का तरीका

- सबसे पहले चने के साग को अच्छी तरह से धोकर बारीक बारीक काट लें। अब एक कड़ाही एक गिलास पानी डालकर गर्म करें और उबाल आने पर ये साग डाल दें और थोड़ा नमक डाल कर ढक दें। इसके बाद धीमी आंच पर पकने दें।
- इस बीच आप लहसुन को छीलकर कूट लें, दो हरी मिर्च को बारीक काट लें और तीन को लंबे आकार में दो टुकड़ों में काटें। टमाटर को बारीक काट लें और अदरक को घिस लें।
- बीच बीच में चने का साग चलाते रहें और इसे मैशर से मैश करते रहें। इस बीच आप बेसन को हल्का ब्राउन होने तक भून लें। ध्यान से भूनें, बेसन जलने न पाए। जब साग पक जाए तो इसमें बेसन डाल दें और मैशर से अच्छी तरह से मिक्स करें। अगर पानी कम लगे तो इसमें पानी को गर्म करने के बाद मिला सकती हैं।
- इसके बाद एक अलग बर्तन में सरसों का तेल डालें और इसमें कुटा लहसुन डालें, थोड़ा सा लहसुन बचा लें। घिसी अदरक डालें। कटी हुई हरी मिर्च डाल दें और हींग डालें। इन्हें हल्का सा भूनने के बाद टमाटर डाल दें और नमक डाल दें। टमाटर को पकने दें।
- इसके बाद इसमें धनिया पाउडर और मिर्च पाउडर डालें। अब इसमें चने का साग डालें और सारी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। थोड़ी देर पकाएं। इसके बाद एक बर्तन में दो चम्मच घी को गर्म करें। इसमें बचा हुआ लहसुन, थोड़ी हींग डालें और लंबी कटी हुई हरी मिर्च डालें। और साग पर इस तड़के को डालकर साग को ढक दें। 5 मिनट बाद इसे बाजरे की गर्मागर्म रोटी के साथ सर्व करें और इसमें घी डालें और इसके साथ गुड़ भी खाएं।

सुझाव

- चने के साग में अगर खट्टापन पहले से है तो आप टमाटर को स्किप कर सकती हैं। इसमें मिर्च अच्छी लगती है। लेकिन आप इसकी मात्रा को अपने स्वाद के अनुसार बढ़ा या घटा सकती हैं। अदरक को बहुत ज्यादा मात्रा में न डालें, वर्ना स्वाद बिगड़ सकता है।

मिर्च खाने के बाद शरीर में ऐसा क्या होता है कि आंख और नाक में से पानी आने लग जाता है...

आपके साथ भी ऐसा हुआ होगा कि जब आप ज्यादा मिर्च खा लेते हैं तो आपके नाक और आंख में से पानी आने लगता है, लेकिन कभी आपने सोचा है कि आखिर ये किस वजह से होता है।

कोई भी स्पाइसी फूड खाने में मजा तो आता है, लेकिन अगर इसमें मिर्च की मात्रा थोड़ी भी ज्यादा हो जाए तो दिक्कत बढ़ जाती है। इसके बाद मुंह से सी सी की आवाज आना शुरू हो जाती है और नाक-आंख में से पानी बहना शुरू हो जाता है। आपके साथ भी ऐसा होता होगा, लेकिन कभी आपने सोचा है कि मुंह में जाकर मिर्च ऐसा क्या करती है कि इससे नाक और आंख में से पानी लगने लग जाता है।

जब भी आप स्पाइसी फूड खाते हैं तो इसका मतलब है कि आपका मुंह मिर्च के संपर्क में आता है। वहीं, मिर्च में कैपसैसिन नाम का एक कैमिकल होता है।

वैसे मिर्च के लिए तो कैमिकल काफी अच्छा होता है। क्योंकि, इससे मिर्च की फसल को जानवर और इंसान नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। यानी एक तरह से मिर्च की रक्षा करता है।

इस कैमिकल की तासीर ऐसी होती है कि यह जैसे मुंह के संपर्क में आता है तो शरीर में जलन पैदा कर देता है। इसके बाद होता क्या है कि हमारा शरीर डिफेंस में चला जाता है।

इसके बाद शरीर इस केमिकल को बाहर निकालने की कोशिश करता है। इसलिए शरीर नाक और आंख के जरिए इस बाहर करने की कोशिश करता है और इस वजह से नाक और आंख से पानी निकलने लगता है।

जापान में चलता है इतना हल्का सिक्का कि पानी पर रखे तो डूबता ही नहीं... एक ग्राम से कम वजन

जापान के एक सिक्के की काफी चर्चा होती है, क्योंकि वो सिक्का पानी में डूबता नहीं है बल्कि तैरता रहता है. तो आज जानते हैं जापान के इस खास सिक्के के बारे में...

जापान से जुड़े कई ऐसे तथ्य हैं, जिनकी वजह से जापान की चर्चा होती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि जापान की चर्चा वहां की करेंसी के एक सिक्के की वजह से भी होती है। यू-ट्यूब से लेकर कई वेबसाइट पर भी आपने देखा होगा कि जापान के एक तैरने वाले सिक्के की बात होती है। दरअसल, जापान की करेंसी में एक सिक्का है, जो पानी में डूबता नहीं है और तैरता रहता है। आपने हमेशा भारत के सिक्कों को देखा होगा, जो पानी में डालते ही नीचे चले जाते हैं। भारत का सबसे छोटा और हल्का सिक्का भी पानी में चला जाता है।

लेकिन, जापान के एक खास सिक्के के साथ ऐसा नहीं है। आप यू-ट्यूब आदि पर इसके कई वीडियो भी दे सकते हैं। यह सिक्का इतना खास है कि अगर इसे पानी की सतह पर रख दिया जाए तो यह नीचे नहीं जाता है। ऐसे में जानते हैं कि इस सिक्के के पानी में ना डुबने का क्या विज्ञान है और साथ ही जानते हैं इस सिक्के में क्या खास बात है...

कौन सा सिक्का होता है खास?

हम जिस सिक्के की बात कर रहे हैं वो जापान की करेंसी का सबसे छोटा सिक्का होका है। यानी यह 1 येन का सिक्का होता है, जो पानी में नहीं डुबता है। इसका मतलब ये नहीं है कि यह कभी भी पानी के अंदर नहीं जाता है, बल्कि इसे पानी की सतह पर धीरे से रखा जाए तो यह तैरता रहता है। लेकिन, अगर इस पर ज्यादा फोर्स डालें तो यह पानी में चला जाता है, लेकिन फिर भी सिक्के का ना डुबन काफी हैरान कर देने वाला है।

कितना होता है वजन?

अगर सिक्के के वजन की बात करें तो यह 0.9992 ग्राम का होता है, जो काफी कम है। करीब एक ग्राम के सिक्के से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह सिक्का कितना हल्का होगा। साथ ही इस सिक्के का डायमीटर 20.00 एमएम होता है और 1.46 एमएम पतला होता है।

किसका बना होता है?

बता दें यह सिक्का एल्युमिनियम का होता है और काफी हल्का होता है। साथ ही इसे पानी में रखने का भी एक खास तरीका होता है, जिससे यह पानी में डुबता नहीं है। हालांकि, इससे पहले जापान का ये एक येन का सिक्का 1870 में चांदी और सोने का बनाया जाता था और माना जाता है कि उस वक्त इसका वजन भी ज्यादा था।

क्यों नहीं डूबता है सिक्का?

अब जानते हैं सिक्के ना डुबने से जुड़े विज्ञान के बारे में, इससे समझ आएगा कि सिक्का पानी में क्यों नहीं जाता है। बता दें कि एल्युमिनियम की डेनसिटी 2.7 ग्राम प्रति सेंटीमीटर क्यूब होती है और पानी की डेनसिटी 1 ग्राम प्रति सेंटीमीटर क्यूब होता है। वहीं, पानी पर एक सरफेज टेंशन बनती है, जिसे आप पानी की स्किन भी कह सकते हैं। यह पानी की फिजिकल प्रॉपर्टी होती है और येन का एक सिक्का सरफेस टेंशन को ब्रेक नहीं कर पाता है, इस वजह से यह पानी के अंदर नहीं जाता है और पानी में तैरता रहता है।

DO YOU KNOW

अद्भुत आंखों वाली महिला : 10 करोड़ रंगों को पहचान सकती हैं ऑस्ट्रेलिया की कॉन्सेटा

ऑस्ट्रेलिया में रहने वाली कॉन्सेटा एंटिको अपनी आंखों से 10 करोड़ रंगों को पहचान सकती हैं। कॉन्सेटा कहना है, बचपन से ही मुझे इसका असर दिखाई देने लगा था। जानिए, इनकी आंखों में ऐसा क्या खास है जो आम इंसान की आंखों में नहीं होता...

ऑस्ट्रेलिया में रहने वाली कॉन्सेटा एंटिको की आंखें खास हैं। इनकी आंखें 10 करोड़ रंगों को पहचान सकती हैं। कॉन्सेटा कहना है, बचपन से ही मुझे इसका असर दिखाई देने लगा था। मुझे हर चीज के कई रंग दिखाई देते थे और मैं उन्हें अपनी पेंटिंग में उतार देती थी। लेकिन यह मालूम नहीं था कि मेरे आंखें इतनी खास हैं। यह जानकारी एक रिसर्च के बाद मिली। दुनिया में ऐसे मात्र 1 फीसदी लोग ही होते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, कॉन्सेटा की आंख टेट्राक्रोमेट हैं। आसान भाषा में समझें तो आम लोगों की आंखों में तीन कोन (शंकु) होते हैं, पर इनकी आंख में 4 कोन हैं। आमतौर पर एक कोन में 10 लाख से अधकि रंगों को पहचानने की क्षमता होती है। वैज्ञानिकों का कहना है, 4 कोन वाली टेट्राक्रोमेट आंखों में 10 करोड़ रंगों को पहचानने की पावर होती है।

टेट्राक्रोमेट आंखों के कारण कॉन्सेटा को हर चीज के ऑरिजनल रंग दिखते हैं, जबकि आम इंसान को इतने रंग नहीं दिखते। वह कहती हैं, पढ़ाई पूरी करने के बाद वो अमेरिका के सैन डिएगो आ गईं। 2012 के बाद टेट्राक्रोमेट आंखों को लेकर न्यूरोलॉजी के एक छात्र ने स्टडी की। रिसर्च में सामने आया कि ऐसी आंखों वाली महिला की बेटी में कलर ब्लाइंडनेस होने का खतरा रहता है।

रिसर्च के परिणाम सामने आने से कुछ समय पहले ही एंटिको की बेटी में कलर ब्लाइंडनेस का पता चला था। इस तरह इन्हें अपनी आंखों की जानकारी मिली। एंटिको अब कलर ब्लाइंडनेस से जूझने वाले लोगों की मदद कर रही हैं। उनका मानना है कि अगर मरीज में समय से कलर ब्लाइंडनेस का पता चल जाए तो कुछ हद तक इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

इंसान में टेट्राकोमेट आंखें क्यों होती हैं, इस कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी की किंबर्ले जेम्सन कहती हैं, 15 फीसदी महिलाओं में ऐसा जीन पाया जाता है जो इस तरह की आंखों के लिए जिम्मेदार होता है। इस तरह की आंखों के मामले सिर्फ महिलाओं में ही सामने आते हैं क्योंकि वह जीन x क्रोमोसोम को प्रभावित करता है। जीन के म्यूटेशन के कारण ही चौथा कोन बनता है और ऐसा सिर्फ 1 फीसदी लोगों में होता है।

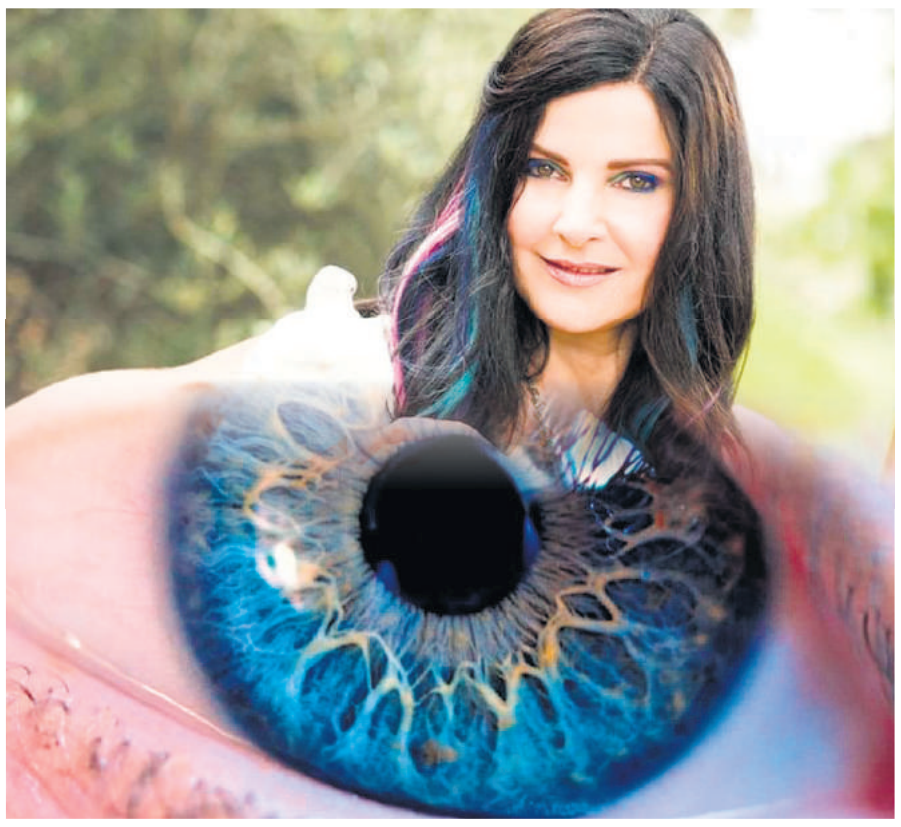

अमेरिका में बर्फीला तूफान

न्यूयॉर्क-न्यूजर्सी सहित कई हिस्सों में इमरजेंसी घोषित, बिजली गुल-फ्लाइट कैंसिल, 7 करोड़ लोग प्रभावित

अमेरिका में बर्फीला तूफान आने की वजह से कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित की गई है। करोड़ों लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ रहा है। लोगों को सलाह दी गई है कि गैर जरूरी यात्रा ना करें।

अमेरिका के पूर्वी हिस्से में बर्फीले तूफान और तेज हवाओं के कारण लोगों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसे बीते कुछ वर्षों का सबसे भीषण तूफान भी कहा जा रहा है। जिसके कारण यातायात प्रभावित हो गया है और करीब 7 करोड़ लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ रहा है। न्यूयॉर्क और बोस्टन जैसे प्रमुख शहरों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। इसे नेशनल वेदर सर्विस (एनसीडब्ल्यू) ने शनिवार को 'बम चक्रवात' कहा है। न्यूयॉर्क और मैसाचुसेट्स के सबसे ज्यादा प्रभावित हिस्सों में शाम तक दो फीट (61 सेंटीमीटर) बर्फ जम गई, मैसाचुसेट्स में 95,000 से अधिक घरों में बिजली नहीं थी।

बर्फीले मौसम का असर फ्लोरिडा के दक्षिणी हिस्से तक देखा जा रहा है। लोगों को सलाह दी गई है कि वह गैर जरूरी यात्रा करने से बचें। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में एक औरत अपनी कार में मृत पाई गई। न्यूयॉर्क की गलियों में बर्फ हटाने वाली मशीनें दिखाई दे रही हैं। यहां के सेंट्रल पार्ट में 13 इंच तक बर्फ गिरी है। जिसके चलते क्षेत्रीय ट्रेनों को आंशिक रूप से बंद कर दिया गया है। टाइम्स स्क्वायर में प्रसिद्ध होर्डिंग्स बर्फीली हवा के कारण ढंके हुए दिखाई दिए हैं। इस मुश्किल वक्त में यहां एक शख्स हाथों में गिटार लेकर गाना गाता भी देखा गया।

बंद पड़े हैं लोगों के बिजनेस : भारी बर्फबारी के कारण तमाम बिजनेस बंद पड़े हैं। न्यूयॉर्क और पड़ोसी राज्य न्यूजर्सी, वर्जीनिया, मैरीलैंड और डेलावेयर ने सभी या राज्यों के कुछ हिस्से के लिए इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। न्यूयॉर्क के गवर्नर कैथी होचुल ने शनिवार को निवासियों को चेतावनी देते हुए कहा कि तूफान का खतरे अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 'तूफान का सबसे खतरनाक चरण अभी जारी है। कृपया गैर जरूरी यात्रा करने से बचें। हमारे साथी सड़कों को साफ करने में लगे हुए हैं।'

सड़कों से दूर रहने की सलाह : जिस बोस्टन में बर्फ गिरने के कारण इमरजेंसी घोषित की गई है, वहां के मेयर माइकल वु ने शनिवार को ट्वीट करते हुए कहा, 'अगर ऐसा कर सकें, तो सड़कों से दूरी बनाकर रखें।' मैसाचुसेट्स के गवर्नर चार्ली बेकर ने कहा कि 'दोपहर के ज्यादातर वक्त आज भी बर्फबारी वाली स्थिति ही रहेगी। ऐसे में विजिबिलिटी कम हो सकती है।' बोस्टन के पास मार्शफील्ड शहर में रहने वाले एरिक कैलेसेंड्रो ने कहा कि उनके यहां बिजली नहीं आ रही है। लेकिन उनके पास जनरेटर है, इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। शनिवार को अमेरिका के भीतर या बाहर की यात्रा से जुड़ी 3,500 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। जबकि रविवार के लिए 1,000 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई थीं।

भारत के रूस से एस-400 मिसाइल

सिस्टम खरीदने पर फिर से अमेरिका का छलका 'दर्द', मिला ये जवाब

अमेरिका की कड़ी आपत्तियों और जो बाइडन प्रशासन की ओर से प्रतिबंधों की चेतावनी के बावजूद भारत ने मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के अपने फैसले में कोई बदलाव करने से मना कर किया है।

अमेरिका ने कहा है कि रूस का भारत को एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली बेचना क्षेत्र में और संभवत: उससे बाहर अस्थिरता पैदा करने में मॉस्को की भूमिका को प्रदर्शित करता है। अमेरिका भारत द्वारा रूस से मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे जाने पर कई बार चिंता व्यक्त कर चुका है। भारत ने जोर देकर कहा है कि उसके फैसले उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के हित पर आधारित हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने गुरुवार को अपने डेली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'एस-400 प्रणाली को लेकर जो हमारी चिंताएं है, उनमें कोई बदलाव नहीं आया है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह क्षेत्र में और संभावित रूप से उससे बाहर अस्थिरता पैदा करने में रूस की भूमिका को उजागर करता है।' प्राइस से रूसी एस-400 प्रणाली को लेकर अमेरिका-भारत संबंध पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछा गया था, जिसके जवाब में उन्होंने यह बात कही। अमेरिका की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में की गई है, जब यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस आमने-सामने हैं।

अमेरिका की कड़ी आपत्तियों और जो बाइडन प्रशासन की ओर से प्रतिबंधों की चेतावनी के बावजूद भारत ने मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के अपने फैसले में कोई बदलाव करने से मना कर किया है। प्राइस ने कहा, 'चाहे भारत हो या कोई और देश, हम सभी देशों से आग्रह करते हैं कि वे रूस के साथ हथियार प्रणाली को लेकर कोई नया लेन-देन करने से बचें।'

शक्तिशाली रडार से लैस है एस-400

एस-400 सिस्टम की बात करें, तो इसमें शक्तिशाली रडार लगा हुआ है, जिसे हम डिफेंस सिस्टम का दिल कह सकते हैं। यह विभिन्न दिशाओं में कई लक्ष्यों का पता लगा सकता है और दुश्मन के लड़ाकू विमान, बमवर्षक या मिसाइल को हमले से पहले ही बेअसर कर सकता है। यह अलग-अलग रेंज वाली मिसाइलों का उपयोग करके दुश्मन के लिए खतरा पैदा कर सकता है। यह इतना उन्नत है कि इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास हवाई अड्डों से उड़ान भरते चीनी लड़ाकू विमानों को ट्रैक करना आसान है। जिससे भारत किसी भी खतरे से वक्त रहते निपट सकता है।

बाइडेन ने कहा कि बंधक बनाना विशेष रुप से "क्रूरता और कायरता" का कार्य है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन की तालिबान से अपील, अफगानिस्तान में अमेरिकी नौसेना के बंधक जवान को रिहा किया जाए

जो बाइडेन ने बंधक बनाए गए लोगों के परिजनों और दोस्तों से वादा किया है कि उनका प्रशासन तब तक चैन से नहीं बैठेगा जब तक मार्क और विदेशों में बंधक बनाए गए अमेरिका के लोगों को घर वापस नहीं ले आएगा।

मेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रविवार को अमेरिकी नौसेना के दिग्गज मार्क फ्रेरिच की रिहाई का आह्वान किया, जिन्हें लगभग दो साल पहले अफगानिस्तान में तालिबान ने बंधक बना लिया था। बाइडेन ने एक बयान में कहा, 'मार्क ने अफगानिस्तान के लोगों की मदद करने के लिए एक दशक बिताया है। उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और फिर भी, दो साल तक तालिबान ने उन्हें बंदी बना लिया है। मार्क इलिनॉय के मूल निवासी हैं। उनका एक बेटा, एक भाई और परिवार उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहा है और सोच रहा है कि वह कहां और कैसे हैं।'

बाइडेन ने कहा कि बंधक बनाना विशेष रूप से "क्रूरता और कायरता" का कार्य है। अमेरिका के लोगों या किसी भी निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा हमेशा अस्वीकार्य है और बंधक बनाना विशेष क्रूरता और कायरता का कार्य है। तालिबान को तुरंत मार्क को रिहा करना चाहिए इससे पहले कि वह वैधता के लिए अपनी आकांक्षाओं पर विचार कर सके। यह बातचीत के योग्य मामला नहीं है।

बाइडेन ने बंधक बनाए गए लोगों के परिजनों और दोस्तों से वादा किया है कि उनका प्रशासन तब तक चैन से नहीं बैठेगा जब तक मार्क और विदेशों में बंधक बनाए गए अमेरिका के लोगों को घर वापस नहीं ले आएगा। उनकी सरकार लगातार प्रयास करने में जुटी हुई है। तालिबान ने पिछले साल 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था और इसके बाद से देश गहराते आर्थिक, मानवीय और सुरक्षा संकट से जूझ रहा है।

अफगानिस्तान से लोगों को निकालने के लिए अमेरिका से मदद की लगाई गई गुहार : अभी हाल ही में अफगानिस्तान में तालिबान शासकों के निशाने पर आने वाले संभावित लोगों को निकालने के लिए काम कर रहे संगठनों के एक गठबंधन ने देश में स्थिति और खराब होने के बाद अमेरिकी सरकार और अन्य देशों से अधिक सहायता के लिए अपील की थी। 'अफगान इवैक कोएलिशन' के सदस्यों ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से वीडियो कॉल के जरिए मुलाकात की था और अफगानिस्तान से लाखों लोगों को बाहर निकालने में मदद के लिए अतिरिक्त संसाधन मुहैया कराने का आग्रह किया थी।

गठबंधन के सदस्यों ने कहा था कि विदेश मंत्रालय ने अब तक जो किया है, उसके लिए वे आभारी हैं, जिसमें वापसी के बाद से अमेरिकी नागरिकों और निवासियों के लिए निकासी उड़ानों की व्यवस्था करने में मदद करना शामिल है, लेकिन उन्होंने कहा था कि आने वाले महीनों में और अधिक मदद की आवश्यकता होगी। अफगानिस्तान में पूर्व में नौसैनिक के तौर पर सेवा दे चुके और अब गठबंधन के सदस्य 'टीम अमेरिका' के साथ काम कर रहे पीटर लुसियर ने कहा था कि विदेश मंत्रालय का 'पर्याप्त' करना भी पर्याप्त नहीं है, हमें समस्त सरकारी समाधान चाहिए, हम चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय मदद बढ़ाए और हमें जल्द से जल्द इसकी जरूरत है।

उत्तर कोरिया की बड़ी घोषणा- ऐसी बैलिस्टिक मिसाइल का टेस्ट किया, जो अमेरिका तक कर सकती है हमला

उत्तर कोरिया ने अपने मिसाइल टेस्ट की पुष्टि कर दी है। इसे मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल बताया गया है। उत्तर कोरिया का कहना है कि यह अमेरिका तक मार करने में सक्षम है।

उत्तर कोरिया ने पुष्टि की कि उसने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है, जो अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक मार करने में सक्षम है। हाल के वर्षों में यह उत्तर कोरिया का सबसे शक्तिशाली मिसाइल परीक्षण है। इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने क्षेत्र में अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई है। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि हवासोंग-12 (Hwasong-12) मिसाइल के परीक्षण का उद्देश्य चुनिंदा रूप से बनाई और तैनात की जा रही इस मिसाइल का मूल्यांकन करना और इसकी सटीकता का सत्यापन करना था।

उसने बताया कि मिसाइल पर लगे कैमरे ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की एक तस्वीर कैद की और रक्षा विज्ञान अकादमी ने इस हथियार प्रणाली की सटीकता, सुरक्षा और प्रभाविता की पुष्टि की। उत्तर कोरिया ने बताया कि उसने मिसाइल को अपने पूर्वी तट की ओर दागा। उसने अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। दक्षिण कोरिया और जापान के आकलन के अनुसार, मिसाइल अधिकतम 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंची और कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले उसने 800 किलोमीटर की दूरी तय की।

2017 में किया था घातक मिसाइल टेस्ट

इन जानकारियों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने 2017 के बाद से अपनी सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उसने 2017 में तीन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था, जो अमेरिका के भीतर तक मार करने में सक्षम हैं। हवासोंग-12 जमीन से जमीन तक मार करने में सक्षम परमाणु संपन्न मिसाइल है। यह अधिकतम 4,500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक पहुंचने के लिए यह दूरी पर्याप्त है। उत्तर कोरिया ने इस महीने में यह सातवां परीक्षण किया है। एक के बाद एक परीक्षण किए जाना लंबे समय से बाधित परमाणु वार्ता को लेकर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का संकेत देता है।

इसपर व्हाइट हाउस का क्या रिएक्शन है?

परीक्षण के बाद व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि वह ताजा मिसाइल परीक्षण को पिछले कई महीनों से चल रहे उकसावे वाले कृत्यों को बढ़ाने के तौर पर देखते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि बाइडेन प्रशासन की उत्तर कोरिया को यह दिखाने के मकसद से आने वाले दिनों में इस ताजा मिसाइल परीक्षण का जवाब देने की योजना है कि वह क्षेत्र में अपने सहयोगियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बाइडेन प्रशासन ने उत्तर कोरिया से वार्ता बहाल करने की फिर से अपील की है। वहीं दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने भी रविवार को हुए परीक्षण की निंदा की है।

पाक की हुई 'इंटरनेशनल बेइज्जती', आतंकियों संग रिश्तों के चलते नए पाकिस्तानी राजदूत की यूएस में रुकी नियुक्ति

पाकिस्तानी राजदूत मसूद खान की अमेरिका में पाकिस्तान के अगले राजदूत के ऊपर नियुक्त को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मसूद खान के आतंकियों संग संबंध होने की बात कही गई है।

पाकिस्तान को एक बार फिर वैश्विक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। दरअसल, अमेरिका में संभावित आतंकी संबंधी के कारण पाकिस्तान के नए राजदूत की नियुक्ति को रोक दिया गया है। अमेरिकी कांग्रेसमैन स्कॉट पैरी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को पाकिस्तानी राजदूत को लेकर चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में सांसद पैरी ने राष्ट्रपति बाइडेन से आग्रह किया है कि वह मसूद खान के नाम को पाकिस्तान से अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में रिजेक्ट करें। उन्होंने कहा है कि मसूद खान के संभावित आतंकी संबंध रहे हैं।

अमेरिकी सांसद ने चिट्ठी में लिखा, 'मैं इस बात से उत्साहित हूं कि विदेश विभाग ने कथित तौर पर मसूद खान को पाकिस्तान से नए राजदूत के रूप में मंजूरी देने पर रोक लगा दी है। हालांकि, सिर्फ रोक लगा देना ही काफी नहीं है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप मसूद खान द्वारा प्रस्तुत किसी भी राजनयिक प्रमाण पत्र को अस्वीकार करें। साथ ही पाकिस्तान सरकार द्वारा इस जिहादी को अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत के रूप में स्थापित करने के किसी भी प्रयास को खारिज करें।' इस तरह पाकिस्तान की एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेइज्जती हुई है।

राजदूत ने बुरहानी वानी की प्रशंसा की थी : स्कॉट पैरी ने कहा कि इमरान खान सरकार द्वारा क्षेत्र में हमारे हितों को कमजोर करने के लिए काम करने वाले आतंकवादियों के हिमायती का नामांकन किया है। ये फैसला एक कमी के रूप में बताया जा सकता है। पैरी ने कहा कि मसूद खान ने हिजबुल मुजाहिदीन सहित आतंकवादियों और विदेशी आतंकवादी संगठनों दोनों की प्रशंसा

की है। सांसद ने आगे कहा कि उन्होंने युवाओं को हिजबुल मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर बुरहान वानी जैसे जिहादियों का अनुकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिन्होंने भारत के खिलाफ हथियार उठाए।

नवंबर में भेजा गया था राजदूत का नाम : इससे पहले, समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि अमेरिकी विदेश विभाग ने मसूद खान का नामांकन खारिज नहीं किया था। समाचार एजेंसी ने सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि वाशिंगटन ने उनकी मंजूरी के लिए और समय मांगा है। मसूद खान का नामांकन पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने पिछले साल नवंबर में भेजा था। इसे मानक राजनयिक प्रक्रिया के तहत आठ सप्ताह में मंजूर किया जाना था। मसूद खान को उम्मीद थी कि उनकी नियुक्ति जल्द ही हो जाएगी, यही वजह है कि उन्होंने सभी से विदा लेना भी शुरू कर दिया था। लेकिन अभी उन्हें और अधिक इंतजार करने की जरूरत है।

किडनी कैंसर की दवा से दिल के मरीजों का होगा इलाज, हार्ट अटैक का खतरा घटेगा, जाने ये कैसे काम करेगी

किडनी कैंसर की दवा एल्डेसल्युकिन से दिल के मरीजों का इलाज किया जा सकेगा। यह दवा हार्ट फेल होने का खतरा कम करती है। कैंसर की दवा दिल के मरीजों में कैसे काम करेगी और यह दवा क्यों जरूरी है? जानिए इन सवालों के जवाब...

किडनी कैंसर की दवा से दिल के मरीजों का इलाज किया जा सकेगा। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की शोधकर्ताओं का कहना है, एल्डेसल्युकिन दवा का इस्तेमाल वर्तमान में किडनी कैंसर के मरीजों के इलाज में किया जा रहा है। यह दवा हार्ट फेल होने का खतरा कम करती है और पहले हार्ट अटैक से जूझ रहे मरीजों में रिकवरी को तेज करती है। रिसर्च रिपोर्ट कहती है, यह दवा दिल के मरीजों में रिकवरी को एक हफ्ते के अंदर 75 फीसदी तक तेज कर देती है। ब्रिटेन की एक स्वास्थ्य एजेंसी कैंसर के इलाज में इस दवा का इस्तेमाल कर रही है।

ऐसे काम करती है दवा

एक रिपोर्ट में शोधकर्ताओं का कहना है कि हार्ट में जो डैमेज हुए हैं या हो रहे हैं एल्डेसल्युकिन दवा उसे सुधारने का काम करती है। इसके अलावा यह दवा हृदय में ऐसे नकारात्मक बदलाव को होने से रोकती है जिसे सही नहीं किया जा सकता। शुरुआती ट्रायल में यह साबित भी हुआ है।

शोधकर्ताओं का कहना है, दिल तक ब्लड की सप्लाई न होने पर हार्ट अटैक पड़ता है। ऐसे मामलों में हार्ट की मांसपेशियां डैमेज होती हैं। दवा के जरिए 10 में से 7 मरीज ठीक तो हो जाते हैं, लेकिन जो डैमेज हुआ है वो ताउम्र बरकरार रह सकता है और भविष्य में हार्ट फेल होने की स्थिति बन सकती है।

हार्ट अटैक से जूझने वाले 10 में से 3 ऐसे मरीजों में दिल की मांसपेशियों पर मौजूद टिश्यू डैमेज हो जाते हैं। नतीजा, ये सख्त होने लगते हैं। इनके अधिक सख्त होने पर हार्ट पूरे शरीर तक ब्लड पहुंचाने में असमर्थ हो सकता है। यह दवा ऐसे डैमेज को रोकने की कोशिश करती है।

दवा का असर समझने के लिए शोधककर्ताओं ने हार्ट अटैक के बाद पहले दिन इस दवा की लो डोज मरीज को दी। इसके बाद दो महीने तक हर हफ्ते इसे दिया गया। ऐसे मरीजों का ब्लड टेस्ट लिया गया। रिसर्च रिपोर्ट में सामने आया कि डैमेज को रिपेयर करने वाली टाइप-2 लिम्फोसाइट ब्लड सेल्स में 75 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई।

इस दवा की जरूरत क्यों है, इसे समझें

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के कार्डियोलॉजिस्ट और दवा का ट्रायल करने वाले मुख्य शोधकर्ता डॉ। टियान झाओ का कहना है, वर्तमान में हमारे पास ऐसी कोई दवा नहीं है तो हार्ट

में लम्बे समय तक होने वाले डैमेज को रोक सके। खासकर वो डैमेज जो हार्ट अटैक के बाद देखा जाता है। ऐसे में यह दवा इस डैमेज को रोकने का सबसे सस्ता इलाज हो सकता है क्योंकि यह आसानी से उपलब्ध है।

यह दवा कब तक उपलब्ध होगी, इस पर विशेषज्ञों का कहना है, एल्डेसल्युकिन के अंतिम चरण का ट्रायल चल रहा है। NHS के मरीजों तक अगले पांच तक यह दवा उपलब्ध हो सकती है।

किसानों को सशक्त करने को मोदी द्वारा बहुत-सी योजनाएं लाई गईं : शेखावत

मोदी द्वारा वर्चुअली संबोधन को भाजपा के सदस्यों ने किया आत्मसात

जालंधर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के रोडमैप को लेकर किए गए वर्चुअली संबोधन को भाजपा के सदस्यों ने आत्मसात किया। भाजपा जिला जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा की की अगुवाई में हुए इस कार्यक्रम को भाजपा के में एकत्रित हुए राष्ट्रीय एवं प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सुना। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाकर ही बेरोजगारी को पूर्णतया खत्म किया जा सकता है। इसके लिए स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया जैसी दर्जनों बहुआयामी योजनाएं चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया बजट भारत को आत्मनिर्भर बनाने वाला है। यह बजट देश के अगले 25 सालों का रोडमैप है। यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ ही सामान्य जन के लिए अनेक नए अवसर उत्पन्न करेगा। प्रधानमंत्री जी के संबोधन को सुनने के बाद राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि उनके आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के विजन को पंजाब के लोग आत्मसात कर देश को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। 21वीं सदी के भारत के सपने को साकार करने के लिए देश को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है और वह तभी संभव है जब देश का युवा आगे आएगा। उन्होंने कहा कि देश में चिकित्सा, इलेक्ट्रॉनिक, फार्मा, खिलौने, वस्त्र उत्पादन इत्यादि जैसे क्षेत्रों में उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि स्वदेश में बनी वस्तुओं को प्रयोग में लाया जा सके और उन्हें निर्यात किया जा सके।

एससी, एसटी और गरीब तबकों के लिए आम बजट निराशाजनक : चीमा

चंडीगढ़. आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष हरपाल सिंह चीमा ने केंद्रीय बजट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने बजट में गरीब और पिछड़े वर्ग समेत तमाम वर्ग के लोगों की उपेक्षा की है। सरकार के इस बजट को बेहद निराशाजनक बताते हुए चीमा ने कहा कि बजट ने जहां मध्यम वर्ग को निराश किया है, वहीं युवाओं, किसानों और नौकरीपेशा लोगों का भी ख्याल नहीं रखा। इससे आर्थिक त्रासदी बढ़ेगी और आम आदमी हाशिए पर जाएगा।

चीमा ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण लाखों युवा बेरोजगार हो गए, लोग अभी भी महामारी से उभरने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें बजट से काफी आशाएं थी, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार का यह बजट जनता की कसौटी पर पूरी तरह विफल साबित हुआ है। किसानों की बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने पंजाब और किसानों के लिए कोई विशेष पैकेज की घोषणा न कर एक बार फिर अपनी किसान विरोधी सोच का परिचय दिया है। आप नेता ने कहा कि मनरेगा आवंटन में 25 प्रतिशत की कटौती भाजपा सरकार की गरीबों के प्रति संवेदनहीनता का प्रमाण है। देश में बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर हैं,सैकड़ों लोगों की नौकरियों चली गई,गरीब और गरीब हो रहा है,लेकिन भाजपा सरकार लोगों को राहत देने की बजाए अपने अमीर कारपोरेट घरानों पर मेहरबान है।

आप नेता ने कहा कि भाजपा सरकार ने समाज के हर वर्ग के विकास को सुनिश्चित करने और रिकॉर्ड उच्च मुद्रास्फीति दर को नियंत्रित करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत करने के बजाय एक बार फिर पूंजीपतियों का साथ दिया है। चीमा ने कहा कि मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए सरकारी विभाग सबसे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि मोदी सरकार सभी प्रमुख विभागों का निजीकरण कर रही है। हरपाल सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की इस बेरुखी न केवल किसानों बल्कि हर वर्ग के लोगों को निराश किया है। आम लोगों के लिहाज से सरकार का यह बजट एक बड़ी निराशा है, क्योंकि बजट से महंगाई और बढ़ेगी तथा गरीब और गरीब होगा।

टीकाकरण संबंधी शिकायतों के लिए हैल्पलाइन नंबर जारी

जालंधर. डिप्टी कमिशनर घनश्याम थोरी ने आज लोगों को नज़दीकी टीकाकरण साईटों के बारे में जानकारी देने के इलावा सर्टिफिकेट प्राप्त करने सहित टीकाकरण सम्बन्धित अन्य मुश्किलों के हल में सहायता देने के लिए एक हैल्पलाइन नंबर जारी किया गया। डिप्टी कमिशनर ने इस सम्बन्धित और ज्यादा जानकारी देते हुए बताया कि हैल्पलाइन नंबर 0181 -2224417 चौबीस घंटे काम कर रहा है, जहाँ लोग अपने कोविड टीकाकरण सम्बन्धित शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन को लोगों को अपने टीकाकरण सर्टिफिकेट प्राप्त करने में मुश्किलों का सामना करने की शिकायतें मिल रही हैं, जिसके लिए इस प्रकार की समस्याओं के हल के लिए हैल्पलाइन नंबर स्थापित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि हैल्पलाइन उन लोगों को नज़दीकी टीकाकरण साईटों के बारे में जानकारी भी प्रदान करेगी, जो अपना कोविड टीकाकरण करवाना चाहते हैं। घनश्याम थोरी ने लोगों को टीकाकरण के लिए बड़ी संख्या में आगे आने का न्योता दिया। उन्होंने बताया कि ज़िला प्रशासन की तरफ से जालंधर में 200 से अधिक स्थानों पर मोबाइल कैंप लगा कर टीकाकरण के लिए पुख्ता प्रबंध किये गए हैं। उन्होंने कहा कि समाज से इस बीमारी को जड़ से ख़त्म करना हमारी सभी की ज़िम्मेदारी है और लक्ष्य को सभी योग्य लाभपातरियों के सौ प्रतिशत टीकाकरण के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

पंजाब चुनाव के मद्देनज़र 97% से अधिक लाइसेंसी हथियार जमा

- आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद 313.44 करोड़ रुपए कीमत की संपत्ति की गई ज़ब्त

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सी.ई.ओ.) डॉ. एस करुणा राजू ने आज यहाँ बताया कि भारत निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई.) के निर्देशों का पालन करते हुए 20 फरवरी, 2022 को होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र राज्य में 3,76,542 लाइसेंसी हथियार जमा करवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह राज्य के कुल 3,90,275 लाइसेंसी हथियारों का 97.43 प्रतिशत बनता है, जबकि राज्य में 72 बिना लाइसेंस के हथियार भी ज़ब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीयकृत/निजी बैंकों में तैनात सुरक्षा कर्मियों सहित निजी सुरक्षा के लिए लाइसेंसी हथियार रखने वाले कुछ व्यक्तियों को किसी भी वास्तविक छूट और शिकायत निवारण के लिए उपायुक्त से संपर्क करना होगा।

डॉ. राजू ने यह भी बताया कि पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के उपरांत विभिन्न प्रवर्तन टीमों ने 01 फरवरी 2022 तक आचार संहिता का उल्लंघन करने के दोष अधीन 313.44 करोड़ रुपए कीमत का सामान ज़ब्त किया है। उन्होंने बताया कि निगरानी टीमों ने 15.49 करोड़ रुपए की कीमत वाली 28.91 लाख लीटर शराब बरामद की है। इसी तरह प्रवर्तन विंग ने 276.51 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं और 20 करोड़ रुपए की बेनामी नकदी भी ज़ब्त की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 1,209 संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की गई है। इसके अलावा गड़बड़ी करने की संभावना वाले 2,906 व्यक्तियों की पहचान भी की गई है।

आब्जर्वरों द्वारा मीडिया मोनिटरिंग एंड सर्टिफ़िकेशन सेल और शिकायत सेल का दौरा, निगरानी पर जताया संतोष

कपूरथला. पंजाब विधान सभा चुनाव 2022 के लिए भारतीय चुनाव कमीशन की तरफ से नियुक्त आब्जर्वरों अश्वनी कुमार यादव, सुधाकर तेलांग और शिव राज एस पाटिल की तरफ से ज़िला चुनाव अधिकारी दीप्ति उप्पल सहित मीडिया मोनिटरिंग एंड सर्टिफ़िकेशन सेल और शिकायत सेल का दौरा किया गया।

उन्होंने पेड न्यूज और बिना मंज़ूरी से विज्ञापन लगाने के इलावा सोशल मीडिया के द्वारा प्रचार पर की जा रही निगरानी पर संतोष व्यक्त किया। इस मौके एम.सी.एम.सी. के नोडल अधिकारी कम डी.पी.आर.ओ सुबेग सिंह और पंजाब तकनीकी यूनिवर्सिटी के डिप्टी डायरैक्टर रजनीश शर्मा की तरफ से आब्जर्वरों को एम.सी.एम.सी. के कामकाज के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि समिति की तरफ से उम्मीदवारों के विज्ञापन के कंटैट को मंज़ूरी देने के साथ-साथ उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी कड़ी निगरानी की जा रही है।

आब्जर्वरों ने एम.सी.एम.सी. की तरफ से डीसी के नेतृत्व में विज्ञापन सम्बन्धित जारी आदेशों के बारे में उम्मीदवारों को अवगत करवाने के लिए बनाऐ गए पोस्टरों की तर्ज़ पर दूसरे जिलों में भी यह पोस्टर भेजने की वकालत की। डीसी ने यह भी बताया कि एम.सी.एम.सी. की तरफ से पैड न्यूज के रुझान को रोकने के लिए भी विशेष टीमें के द्वारा अखबारों और चैनलों को पढ़ा जा रहा है। इसके इलावा उन्होंने शिकायत सेल का भी दौरा किया और अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर शहरी विकास अनुपम कलेर ने उनको सी-विजल और अन्य संचार साधनों पर आ रही शिकायतें और उनके निपटारो के बारे में जानकारी दी।

कपूरथला ज़िले में 7 आब्जर्वर नियुक्त

पंजाब विधान सभा मतदान 2022 के लिए कपूरथला ज़िले के लिए भारतीय चयन कमीशन की तरफ़ से 7 आब्जर्वर तैनात किये गए हैं, जिसमें 3 खर्चा आब्जर्वर, 3 जनरल आब्जर्वर और एक पुलिस आब्जर्वर शामिल हैं। जिला चुनाव अधिकारी दीप्ति उप्पल ने बताया कि भुलत्थ हलके के लिए तैनात आब्जर्वर (खर्च) आशीष कुमरा, आई.आर.ऐस., (79739 -13221) और जनरल आब्जर्वर शिवराज एस.पाटिल, आई.ए.एस.(88378 -32408) नियुक्त किये गए हैं। उनके साथ नोडल अधिकारी राहुल भाटिया, ए.ई.टी.सी.,(जी.ऐस.टी) (98729 -10030) को तैनात किया गया है। कपूरथला विधान सभा हलके के लिए तैनात आब्जर्वर (खर्चा) श्री ओम प्रकाश यादव,आई.आर.ए.ऐस.,(78891 -06247) और आब्जर्वर (जनरल) सुधाकर बापूरायो तेलांग, आई.ए.ऐस.,(83604 -31380) के साथ नोडल अफ़सर के तौर पर डी.एफ.एस.सी गीता बिशंभू (77172 -60034) को तैनात किया गया है। ज़िला कपूरथला के लिए पुलिस आब्जर्वर डी.एच परमार आई.पी.ऐस.(98775 -09077) को तैनात किया गया है जिन के साथ नोडल अफ़सर मनजीत कौर ऐस.पी. (99152 -11234) को लगाया गया है। सुल्तानपुर लोधी हलके लिए आब्जर्वर (खर्चा) मुहम्मद मनजारूल हसन आई.आर.ए.एस. (79739 -15137) और आब्जर्वर (जनरल) सुधाकर बापूरायो तेलांग, आई.ए.ऐस.,(83604 -31380) को तैनात किया गया है,जिन के साथ नोडल अफ़सर के तौर पर डी.ऐफ.ऐस.सी गीता बीशंभू (77172 -60034) को लगाया गया है।

वोटरों के लिए स्वीप अधीन व्यापक जागरूकता अभियान की शुरूआत

जालंधर. युवा मतदाताओं को वोट के अधिकार प्रति जागरूक करने के लिए ज़िला प्रशासन जालंधर की तरफ से 'सिस्टेमैटिक वोटरज एजूकेशन एंड इलैकटोरल पारटीसिपेशन' (स्वीप) प्रोगराम के अंतर्गत कई नयी पहलकदमी शुरू की गई हैं। सहायक कमिशनर (अंडर ट्रेनिंग) ओजस्वी अलंकार ने बताया कि ज़िला प्रशासन की तरफ से वोटरों को उनके वोट के अधिकार प्रति जागरूक करने के लिए बहु -समर्थकी रणनीति अपनाई गई है जिससे 20 फरवरी 2022 को मतदान वाले दिन अधिक से अधिक मतदान को यकीनी बनाया जा सके। जालंधर में इस अभियान को सफल बनाने के लिए कई शैक्षिक संस्थानो को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानो में नैतिक वोटिंग को समर्पित पोस्टर मेकिंग और सलोगन राइटिंग मुकाबले भी करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि डूडल आर्ट सीरीज, बाल पेंटिंगज़, नुक्कड़ नाटक, वोटरों के लिए जागरूकता गीत 'वोटर जुगनी' जैसी पहलकदमी युवाओं में खींच का केंद्र बन रही हैं और प्रशासन की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के द्वारा युवाओं में प्रसारित करने के लिए प्रसिद्ध कलाकारों के संदेश भी तैयार किये गए हैं।

उन्होंने बताया कि जी.एन.ए. के सहयोग के साथ स्वीप गतिविधियों सम्बन्धित एक विशेष लोगो भी तैयार किया गया है। इसके इलावा एच.एम.वी. कालेज, जालंधर और रमनप्रीत कौर सीईओ शमशीर प्रोडकशन के सहयोग के साथ वोटर जुगनी पंजाबी गीत भी रिकार्ड और शूट किया गया है। ओजस्वी अलंकार ने इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए ग़ैर सरकारी संस्थानो और शैक्षिक संस्थानो का धन्यवाद किया और उनसे इस दिशा में ज़िला प्रशासन जालंधर की तरफ से भविष्य में किये जाने वाले यतनों के लिए सहयोग की माँग की।

पर्यवेक्षकों की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक

लुधियाना. विधानसभा चुनाव के लिए भारत के चुनाव आयोग द्वारा तैनात जिला लुधियाना के सभी 14 चुनाव पर्यवेक्षकों ने स्थानीय पंजाब कृषि यूनीवर्सिटी के पाल सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने राजनीतिक दलों से भारत के चुनाव आयोग के निर्देशों और नियमों का पालन करने की भी अपील की ताकि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हो सकें।

बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त वरिंदर कुमार शर्मा, पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर, एसएसपी लुधियाना (ग्रामीण) पाटिल केतन बलिराम, एसएसपी खन्ना जे. अलंचेजियन, समूह अतिरिक्त उपायुक्त, रिटर्निंग अधिकारी / निर्वाचन क्षेत्र स्तर के पुलिस प्रभारी, सहायक व्यय पर्यवेक्षक और विभिन्न चुनाव संबंधी समितियों के जिला स्तरीय नोडल अधिकारी भी उपस्थित थे।

डीसी थोरी ने जालंधर में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का लिया जायज़ा

जालंधर. डीसी घनश्याम थोरी ने आज जालंधर में विधान सभा चुनाव की तैयारियों और रिटर्निंग अधिकारियों के कामकाज का जायज़ा लेने के लिए अलग -अलग स्थानों पर स्थापित किये गए पोलिंग परसोनल डिसपरसल और पोलिंग पार्टी कुलैकशन सेंटरों का दौरा किया। रिटर्निंग अधिकारियों को अपनी ड्यूटी दौरान भारतीय चुनाव आयोग की तरफ से जारी आदेशों की इन -बिन्न पालना को यकीनी बनाने के आदेश दिए, डिप्टी कमिशनर ने कहा कि ज़िले के सभी 9 विधान सभा हलकों में निर्विघ्न और पारदर्शी चुनाव करवाने में कोई कमी बाकी न छोड़ी जाए। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारियों के अलग -अलग सैलों का दौरा भी किया।

डीसी द्वारा खालसा कालेज फार वूमैन, कैंट, गवर्नमैंट आर्ट एंड स्पोर्टस कालेज (पुरानी बिलडिंग) कपूरथला रोड, रायज़ादा हंस राज स्टेडियम (बैडमिंटन हाल), सरकारी माडल सीनियर सकैंडरी स्कूल नज़दीक अलास्का चौक, सरकारी कालेज आफ एजुकेशन, लाडोवाली रोड और के.ऐम.वी कालेज टांडा रोड, सरकारी सीनियर सकैंडरी स्कूल (लड़की) फिल्लौर, गुरू नानक नेशनल कालेज (लड़के) नकोदर और पब्लिक सीनियर सकैंडरी स्कूल शाहकोट का दौरा भी किया गया।

जांच के बाद 107 उम्मीदवार मैदान में

20 फरवरी को ज़िले के सभी 9 विधान सभा हलकों में होने जा रहे चुनाव के लिए आज नामांकन पत्रों की पड़ताल के बाद 107 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रह गए है। डीसी-कम-ज़िला चुनाव अधिकारी ने बताया कि फिल्लौर हलके से 16 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। नकोदर, शाहकोट, करतारपुर, जालंधर पश्चिमी, जालंधर केंद्रीय, जालंधर उत्तरी, जालंधर छावनी और आदमपुर विधान सभा हलके में क्रमवार 13, 14, 9, 13, 8, 12, 12 और 10 उम्मीदवार रह गए हैं। इनमें से कुल 31 उम्मीदवारों की तरफ से आज़ाद उम्मीदवार के तौर पर कागज़ दाख़िल किये हैं जबकि 76 अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की तरफ से चुनाव लड़ रहे हैं।

वेस्टइंडीज टीम पहुंची भारत, 6 फरवरी से खेलेगी सीमित ओवरों की सीरीज

दर्शकों के बिना खेले जायेंगे तीनों मैच

अहमदाबाद. इंग्लैंड को टी20 मैच में हराकर आत्मविश्वास से ओतप्रोत वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिये यहां पहुंच गई। वेस्टइंडीज टीम नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर तीन वनडे खेलेगी जो छह फरवरी से शुरू होंगे। इसके बाद कोलकाता के ईडन गार्डंस पर तीन टी20 मैचों की श्रृंखला खेली जायेगी। वेस्टइंडीज क्रिकेट के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर बुधवार की सुबह ट्वीट किया गया, 'बारबाडोस से दो दिन की यात्रा के बाद वेस्टइंडीज टीम भारत पहुंची।' वेस्टइंडीज क्रिकेट ने अहमदाबाद पहुंचने की वीडियो भी डाली है। गुजरात क्रिकेट संघ ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण तीनों मैच दर्शकों के बिना खेले जायेंगे। वहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने 75 प्रतिशत दर्शकों को प्रवेश की अनुमति दी है। तीन टी20 कोलकाता में 16, 18 और 20 फरवरी को होंगे। वहीं अहमदाबाद में तीन वनडे मैच छह, नौ और 11 फरवरी को खेले जायेंगे।

साइंस सिटी में विश्व जलगाह दिवस पर वेबिनार

कपूरथला. विश्व जलगाह दिवस मौके पर पुष्पा गुजराल साइंस सिटी की ओर से जलगाहों की महत्ता, रख रखाव व इन्हें बनाए रखने के लिए किए जाने वाले प्रयत्नों प्रति जागरुकता के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया। 1971 में हुए रामसर सम्मेलन की वर्षगांठ के तौर पर यह दिन हर साल 2 फरवरी को मनाया जाता है। इस वेबिनार में 100 से अधिक पंजाब की अलग-अलग विद्यायक संस्थाओं के विद्यार्थियों व अध्यापकों ने भाग लिया। विश्व जलगाह दिवस मनाने का इस बार का थीम "लोग व कुदरत की खातिर जलगाहों को संभालने के प्रयत्न है'।

इस मौके जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली के वातावरण विज्ञान स्कूल के पूर्व डीन प्रोफैसर डा.सीके वरशने मुख्य प्रवक्ता के तौर पर उपस्थित हुए। उन्होंने "मानवता की भलाई जलगाहों की महत्ता' विषय पर लेक्चर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बनाए रखने के लिए जलगाहें सबसे अहम है लेकिन यह सबसे प्रदूषित व दुर्व्यवहार का शिकार होने होने कारण खत्म होने की कगार पर है। जलगाहें जहां पूरी दुनिया में जल चक्कर का अटूट हिस्सा है, वहीं पर्यावरण के तौर पर इनकी कुछ खास विशेषताएं है। जलगाहें जल-जीव विभिन्नता की मददगार है। क्योंकि इनमें बहुत सी दुर्लभ जल जीवों की प्रजातियां वास करती है।

उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो जलगाहों सबंधी दुनिया की गलत धारना रही है। इन्हें भूमिगत जल को रिचार्ज व स्तह के पानी को शुद्ध करने के लिए प्रयोग में न लाते हुए जलगाहों की जगह पर बंजर समझा जाता रहा है। इस कारण बिना सोचे समझे इन्हें दूसरे कामों के लिए प्रयोग किया जाता है और पुनर्जीवित करने के प्रयास नहीं किए गए। एक अनुमान के मुताबिक 1970 से 2015 तक 30 फीसदी जलगाहें सिकुड़ गई है। जोकि जंगलों की कटाई से तीन फीसदी अधिक है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.